सं. मो.बि./एफ०डी०/42-86/28133.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० अशोश इन्टस्पाईजिज सैक्टर 6 फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रघुबीर प्रसाद, पुत्र श्री रणशोर गांव हरीराम पुर, डा० लाछी गढ़जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए; अब, भोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान-की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरनरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित अम न्याबालय, फरीदावाद, को विवादशस्त या उससे मुसंगत या उससे संवन्धित मीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त मामला है या बिवाद से सुसंगत प्रयवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री रथुवीर प्रसाद, की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? प्रयदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं गो वि । एप डी | 63-86 | 28140 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । सुभाष पैत्रीकेटर चो । करण सिंह के मकान न । 127 शिवकलोगी श्रोल्ड फरीदाबाद के श्रमिक श्री सुख राम मार्फत मजदूर सेवक संघ राजेन्द्र फार्म लिक रोड, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भोर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद, को विवादअस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादअस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री सुख राम की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक हैं ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हुकदार है ?

सं को विव /एफ बी व / १८४० - १८४० - व्यक्ति हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में व नेस्टर फामेस्टीकल प्रा व लि., II-वैस्टन, एक्सटें शन एरिया, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री दया नन्द मिश्रा, पुत्रश्री तीर्थ नाथ मिश्रा मार्फत हिन्द मजदूर सभा, 29 शहीद चौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

म्रीर चूंकि हरियाणा के रोज्यपाल विवाद को न्यार्यानणेय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है ;

इसंलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंण्ड (गं) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415—3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495—जी-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठिल अम त्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य एव पचीट तीन भास में देने हेतु निविष्ट करते हैं जो कि उसते प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से बुसंगत ग्रयवा संबंधित भामला है:—

क्यों श्री वर्यानन्द मिश्र, की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

> श्रीरं० एसं० श्रग्नवालं, प्रप-सचिव, हरियाणा सरकारं; श्रम विभाग ।